Roll No. ……..

BAJY–202

मुहूर्त्त विचार

कला में स्नातक (ज्योतिष) बी. ए.—12 / 16 / 17

द्वितीय वर्ष, सत्र 2017

समय : 3 घंटा पूर्णांक : 80

नोट : यह प्रश्न पत्र अस्सी (80) अंकों का है जो तीन (03) खण्डों 'क', 'ख' तथा 'ग' में विभाजित है। शिक्षार्थियों को इन खण्डों में दिए गए विस्तृत निर्देशों के अनुसार ही प्रश्नों के उत्तर देने हैं।

खण्ड–क

(दीर्घ उत्तरीय प्रश्न)

नोट : खण्ड 'क' में चार (04) दीर्घ उत्तरीय प्रश्न दिये गये हैं। प्रत्येक प्रश्न के लिए उन्नीस (19) अंक निर्धारित हैं। शिक्षार्थियों को इनमें से केवल दो (02) प्रश्नों के उत्तर देने हैं।

1. मुहूर्त्त शास्त्र का परिचय दीजिए।
2. संस्कार का महत्व तथा प्रकार लिखिए।
3. यात्रामुहूर्त्त में शकुन विचार लिखिए।
4. शिलान्यास विधि का वर्णन कीजिए।

खण्ड–ख

(लघु उत्तरीय प्रश्न)

नोट : खण्ड 'ख' में आठ (08) लघु उत्तरीय प्रश्न दिये गये हैं। प्रत्येक प्रश्न के लिए आठ (08) अंक निर्धारित हैं। शिक्षार्थियों को इनमें से केवल चार (04) प्रश्नों के उत्तर देने हैं।

1. अयन कितने होते हैं ? उनके कृत्य लिखिए।
2. 16 संस्कारों के नाम लिखिए।
3. घातचक्र का वर्णन कीजिए।
4. गृहारम्भ मुहूर्त्त लिखिए।
5. जीर्णगृहप्रवेश का मुहूर्त्त लिखिए।
6. दन्तोत्पत्ति का फल लिखिए।
7. भद्रा का वैशिष्ट्य लिखिए।
8. गोल विचार पर प्रकाश डालिए।

खण्ड–ग

(वस्तुनिष्ठ प्रश्न)

नोट : खण्ड 'ग' में दस (10) वस्तुनिष्ठ प्रश्न दिये गये हैं। प्रत्येक प्रश्न के लिए एक (01) अंक निर्धारित है। इस खण्ड के सभी प्रश्न अनिवार्य हैं।

एक शब्द में उत्तर दीजिए :

1. पक्ष होते हैं।
2. अयन की संख्या है।
3. संस्कार के भेद हैं।

4. दक्षिण में दिकशूल है।
5. विप्र का उपनयन होता है।
6. चूडाकरण किस वर्ष में होता है ?
7. योग की संख्या होती है।
8. चल करण की संख्या होती है।
9. नक्षत्रों की संख्या है।
10. पुंसवन किस मास में होता है ?